Written by □ कपत्रकार
Saturday, 07 May 2011 17:25

सहारा केसंक्ट केदनिों में शविराज सरकार के□ कवज्ञिापन ने उसकेनविशकों को सावधान कर दयिा है. कहते हैं कि संक्ट आ□ तो अपने भी मुंह फेर लेते हैं. ऐसा ही हाल सहारा ग्रुप का है. मध्य प्रदेश में सहारा को राज्य सरकार हर महीने करीब पचास लाख का वज्ञिापन देती है. और इतना ही वज्ञिापन छत्तीसगढ़ से भी मलि जाता है.

स्ट्रगिर्स भी तीस-चालीस लाख का वज्ञिापन अलग से कर देते हैं. कुल मलिाकर चाँदी ही चाँदी रहती है सहारा की. लेकनि हाल ही में जबसे सहारा ग्रुप संक्ट में आया है, सहारा पैरा बैंकगि केडपिाजटिर्स भागने लगे हैं. इसका □ कारण तो कुछ "शुभचतिकों" का यह □ स□ म□ स था कि शायद सुब्रत रॉय भी 2जी-3जी मामले में जेल जा सक्ते हैं, ऐसे में सहारा से अपना पैसा नकिाल लेना उचति है. बची खुची कसर प्रदेश की शविराज सरकार ने नईदुनयिा, दैनकि भास्कर और पत्रकि सहति सभी प्रमुख अख़बारों में □ कवज्ञिापन छपवाकर पूरी कर दी जसिमें यह बताया गया है कि किसी भी "आयाराम गयाराम फाइनेंस कंपनी में अपना पैसा न लगा□ क्योंकि यह सुरक्षति नहीं".

Written by □ कपत्रकार
Saturday, 07 May 2011 17:25